माननीय कुलाधिपति/श्री राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में दिनांक 17 मार्च, 2015 को मध्यान्ह 12.00 बजे मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर के स्वर्ण जयन्ती सभागार में सम्पन्न हुयी सभा (Court) के प्रथम अधिवेशन के कार्यवृत्त।

बैठक में उपस्थिति निम्नवत रही:-

1. श्री राम नाईक - अध्यक्ष
   माननीय कुलाधिपति/श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
   मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर

2. प्रो0 ओंकार सिंह - उपाध्यक्ष
   कुलपति,
   मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी बिश्वविद्याल,
   गोरखपुर

3. प्रो0 आर0 यादव - सदस्य
   पूर्व निदेशक
   आर0आई0टी जमशेदपुर
   राज्य सरकार द्वारा नामित

4. श्री संजीव कुमार मित्तल - सदस्य
   प्रमुख सचिव,
   प्राविधिक शिक्षा विभाग,
   उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

5. श्री अतुल कुमार श्रीवास्तव - सदस्य
   अपर निदेशक कोषागार, गोरखपुर
   प्रतिनिधि प्रमुख सचिव, वित्त विभाग,
   उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

6. श्री ओ0 पी0 वर्मा - सदस्य
   विशेष सचिव, उच्च शिक्षा विभाग
   प्रतिनिधि प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग,
   उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

(42)

7. श्रीमती जूथिका पाटणकर - विशेष आमंत्री
प्रमुख सचिव,
माननीय कुलाधिपति/श्री राज्यपाल,
उत्तर प्रदेश

सभा के निम्नलिखित सदस्य अपरिहार्य कारणों से सभा के अधिवेशन में प्रतिभाग करने में असमर्थ रहे:-

1. प्रो0 एस0के0 बालासुब्रमणियम, आई.आई.टी. बी.एच.यू. वाराणसी, वाराणसी
2. प्रो0 वी0 चन्द्रशेखर, हेड आफ डिपार्टमेंट आफ केमेस्ट्री, आई0आई0टी0, कानपुर
3. प्रो0 आर0आर0 मिश्रा, डिपार्टमेंट आफ फिजिक्स, बी0आई0टी0एस0 पिलानी, राजस्थान
4. प्रो0 देवी सिंह, कुलपति, जे0के0 लक्ष्मीपति विश्वविद्यालय, जयपुर
5. श्री सी0 कण्डासामी, पूर्व महानिदेशक, सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार

माननीय कुलाधिपति तथा समस्त माननीय सदस्यों के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन के उपरान्त कुलपति द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय व सभी माननीय सदस्यों का स्वागत करते हुये आभार व्यक्त किया गया। कुलपति द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय को तथा कुलसचिव द्वारा समस्त माननीय सदस्यों का पुष्प गुच्छ प्रस्तुत किया गया ।

अधिवेशन का प्रारम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुआ तथा तत्पश्चात माननीय कुलाधिपति/श्री राज्यपाल व सभा के अध्यक्ष महोदय द्वारा अपने उद्बोधन के दौरान निम्न बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया:-

1. माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा यह उद्गार व्यक्त किया गया कि मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की स्थापना पं0 मदन मोहन मालवीय जी के नाम से है, अतएव यहाँ पर महामना मालवीय जी द्वारा प्रस्तुत आदर्शों के अनुसार उच्च गुणवत्ता के समर्पित शिक्षकों तथा गुरु एवं शिष्य के सुदृढ संबंधों के साथ विश्वविद्यालय को संचालित करने का पूर्ण प्रयास किया जाना चाहिये।

2. माननीय कुलाधिपति महोदय ने उल्लेख किया कि वर्तमान में पूर्वान्चल के विभिन्न छात्र-छात्रायें उच्च तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने हेतु इस क्षेत्र से अन्य क्षेत्रों में जा कर डिग्री हासिल करते हैं, अतएव ऐसा प्रयास किया जाये कि यहाँ के मेधावी छात्र यहीं पर अध्ययन करते हुये गुणवत्तायुक्त उच्च तकनीकी शिक्षा ग्रहण कर सकें।

11/1/15

3. माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ-साथ छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास (Personality Development) एवं कौशल विकास हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन किये जाने की अपेक्षा की गयी ताकि डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को अच्छे रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सके। साथ ही यह भी कहा गया कि यद्यपि पूर्वान्चल में औद्योगिकी प्रतिष्ठानों की अत्यन्त कमी है, जिससे छात्र-छात्राओं के सेवायोजन में बाधा आती है, परन्तु ऐसे प्रयास किये जायं कि छात्र-छात्राओं को कैम्पस प्लेसमेंट द्वारा बेहतर से बेहतर सेवायोजन मिल सके।

4. माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर पूर्वान्चल में स्थित है, जिसे पिछड़ा क्षेत्र कहा जाता है, परन्तु यह क्षेत्र पिछड़ा क्षेत्र नहीं है, अपितु पूर्वान्चल अपने आप में प्रतिभाओं से परिपूर्ण व समृद्ध है जिसे उचित दिशा दिये जाने का कार्य इस प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा किया जाना चाहिये।

5. माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा अपने उद्बोधन में अपेक्षा की गयी कि विश्वविद्यालय द्वारा अच्छी शिक्षा देकर देश के लिए उच्च कोटि के अभियंता तैयार किये जांय ताकि इस विश्वविद्यालय में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तायुक्त शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम को सशक्त किया जा सके। साथ ही परीक्षा प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता रखे जाने की अपेक्षा की गयी। कई विश्वविद्यालयों द्वारा नकल माफियों पर अंकुश लगाये जाने हेतु किए जा रहे सार्थक प्रयास से वहाँ के अधिकारियों को धकमी दी जा रही है, अतएव नकल विहीन परीक्षा हेतु दृढ संकल्प होकर समस्त विश्वविद्यालयों में पूर्ण पारदर्शी व नकल विहीन परीक्षा की व्यवस्था की जानी चाहिये।

6. माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा सभा के समस्त सदस्यों की उपस्थिति न होने के परिप्रेक्ष्य में यह अपेक्षा की कि निकट भविष्य में समस्त सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुये उनकी सहमति से तिथि निर्धारित कर सभा की बैठक आहूत की जाये ताकि उनके अनुभवों का लाभ व मार्गदर्शन विश्वविद्यालय को मिल सके।

उपरोक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के प्रथम अधिवेशन हेतु सभा के समक्ष प्रस्तुत कार्यसूची के विन्दुओं पर निम्नानुसार निर्णय लिये गये:-

प्रथम-01 <u>मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की स्थापना एवं संचालन।</u>

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना एवं उसके संचालन के संबंध में अब तक कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया। सभा द्वारा विश्वविद्यालय की स्थापना के उपरान्त अब तक प्रथम परिनियम प्राप्त न होने पर

17/3/15

भी विश्वविद्यालय के सुचारु संचालन की सराहना की गयी। प्रमुख सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली तैयार होने की प्रगति से माननीय कुलाधिपति महोदय को अवगत कराया गया एवं इसके शीघ्र ही तैयार हो जाने की सूचना दी।

प्रथम-02 <u>मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रबन्ध बोर्ड की प्रथम बैठक के कार्यवृत्त का अवलोकन।</u>

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालन के संबंध में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा प्रथम बैठक में लिये गये निर्णयों एवं कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया।

प्रथम-03 <u>मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रबन्ध बोर्ड की द्वितीय बैठक के कार्यवृत्त का अवलोकन।</u>

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालन के संबंध में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा द्वितीय बैठक में लिये गये निर्णयों एवं कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया।

प्रथम-04 <u>मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रबन्ध बोर्ड की तृतीय बैठक के कार्यवृत्त का अवलोकन।</u>

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालन के संबंध में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा तृतीय बैठक द्वारा लिये गये निर्णयों एवं कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया।

प्रथम-05 <u>मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रबन्ध बोर्ड की चतुर्थ बैठक के कार्यवृत्त का अवलोकन।</u>

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालन के संबंध में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा चतुर्थ बैठक द्वारा लिये गये निर्णयों एवं कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया।

17/3/15

प्रथम-06 मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रबन्ध बोर्ड की पंचम बैठक के कार्यवृत्त का अवलोकन।

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालन के संबंध में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध बोर्ड द्वारा पंचम बैठक द्वारा लिये गये निर्णयों एवं कृत कार्यवाही का पुनर्विलोकन किया गया।

प्रथम-07 मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की वार्षिक रिपोर्ट का अवलोकन।

सभा द्वारा विश्वविद्यालय के दिनांक 01 दिसम्बर, 2014 को एक वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गयी वार्षिक रिपोर्ट (Annual Report) का पुनर्विलोकन किया गया एवं स्थापना से अब तक विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर संतोष व्यक्त किया गया।

सभा के अधिवेशन के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो0 ओंकार सिंह द्वारा दिनांक 01 दिसम्बर, 2013 से स्थापित व दिनांक 17 दिसम्बर, 2013 से क्रियाशील मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अब तक के कार्यकाल में विश्वविद्यालय के उत्तरोत्तर विकास हेतु किए गए प्रयासों व उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया तथा विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2014-15 से अपनी प्रवेश परीक्षा आयोजित कर छात्रों का प्रवेश दिये जाने, क्रेडिट बेस्ड सिस्टम तथा सत्र 2015-16 से पाँचों बी0टेक0 पाठ्यक्रमों में की गयी क्षमता वृद्धि आदि समस्त तथ्यों से सभा अवगत हुयी तथा अब तक की गतिविधियों सराहना की गयी।

प्रथम-08 मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर की वार्षिक लेखाओं का अवलोकन।

सभा द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की वार्षिक लेखाओं का पुनर्विलोकन किया गया।

अधिवेशन के अन्त में सभा के माननीय सदस्य प्रो0 आर0 यादव द्वारा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम को सुदृढ बनाये रखने हेतु निम्न सुझाव दिये गये:-

17/12/15

1. विश्वविद्यालय में छात्रों के शिक्षण-प्रशिक्षण के साथ-साथ उनमें शोध एवं अनुसंधान की ओर उन्मुख किए जाने तथा उनमें Innovative Ideas विकसित किए जाने पर विशेष बल दिया जाये।

2. विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्ता के शिक्षकों की नियुक्ति कर शिक्षक एवं छात्र अनुपात में सुधार कर शिक्षण-प्रतिशिक्षण कार्यों को गुणवत्तापरक रुप से संचालित किये जाने की अपेक्षा की गयी।

3. प्रो0 यादव द्वारा यह भी सुझाव दिये गये छात्रों को प्रोजेक्ट कार्य में अभिरुचि जागृत किए जाने हेतु छात्रों को देश-विदेश में आयोजित विभिन्न प्रतिस्पर्धात्मक क्रिया-कलापों में प्रतिभाग कराते हुये उनमें टेलेन्ट विकसित किये जाने के प्रयास किए जायें।

4. तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ Communication Skills विकसित किये जांय तथा प्रचुर मात्रा में Debate & Seminars आदि का आयोजन कर उनको प्रतिभावान बनाये जाने हेतु प्रेरित किया जाये, जिससे उनको अपना कैरियर बनाने में भरपूर सहयोग मिल सके।

अधिवेशन के नियमित कार्यसूची पर चर्चा के उपरान्त कुलपति द्वारा माननीय कुलाधिपति महोदय व समस्त माननीय सदस्यों को विश्वविद्यालय की तरफ से उपस्थिति हेतु आभार व्यक्त करते हुये प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए।

अन्त में बैठक अध्यक्ष महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापनोपरान्त समाप्त हुयी।

17/3/2015

(प्रो0 ओंकार सिंह)
कुलपति
मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
गोरखपुर

23.3.15

(राम नाईक)
कुलाधिपति
मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
गोरखपुर